RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

राजनीति में घुस गया, सारा ही परिवार।
यहां-वहां फिट हो गये, सारे रिश्तेदार।
सारे रिश्तेदार, सभी पर अच्छी बीती।
पत्नी-बेटा कहीं, कहीं सासू मां जीती।
कह साहिल कविराय, यहां के अब हम गब्बर।
पावर में आ गया, हमारा पूरा टब्बर।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 140 | SUNDAY 31-05-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

रियल स्पेशल 26 : 9 कारोबारी थे रडार पर ! दूसरे में पकड़े जाने से हुआ बचाव

बाजवा नगर में कारोबारी के साथ केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी द्वारा ठगी मारने का मामला

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। बाजवा नगर में होजरी कारोबारी से रिश्तेदार द्वारा अपने केंद्रीय जांच एजेंसी में मौजूद रिश्तेदार अधिकारी के साथ मिलकर स्पेशल-26 जैसे टीम बनाकर डरा धमकाकर 40 लाख रुपए हड़प किए थे। इस मामले को यूटर्न टाइम अखबार द्वारा प्रमुख्ता से प्रकाशित किया गया। जिसके बाद यह मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। जिसके साथ ही मामले से जुड़े कई अहम खुलासे हो रहे हैं। वहीं अब इस मामले में बाजवा नगर होजरी एसोसिएशन के प्रेजिडेंट दर्शन डावर भी सामने आए हैं। उन्होंने इस स्पेशल-26 टीम की ठगियों पर मुहर लगाते हुए कहा कि उनके नगर में ऐसे मामले हुए हैं। जिस संबंधी एसोसिएशन अपे सत्र पर जांच भी कर रही है। वहीं चर्चा है कि उक्त स्पेशल-26 टीम द्वारा करीब 9 कारोबारियों की लिस्ट तैयार की गई थी। इन कारोबारियों को एक-एक करके निशाना बनाया जाना था। लेकिन पहले ही भेद खुल गया। वहीं इस मामले के बाद शहर के कारोबार जगत में डर का माहौल बन चुका है। क्योंकि आए दिन किसी न किसी कारोबारी को एजेंसी के नाम की कॉल आती है। ऐसे में अब इस डर को एजेंसी द्वारा कैसे दूर किया जाएगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

चर्चा, अधिकारी काफी पैसा हड़प भी गया...चर्चा है कि उक्त अधिकारी द्वारा अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर एक नहीं अनेक व्यापारियों को अपना शिकार बनाया। चर्चा है कि इस ठगी का पता चलने के बाद बाकी पीड़ित भी सामने आए। लेकिन अधिकारी व उसका रिश्तेदार सभी के पैसे हड़प कर गए। जिसके चलते पीड़ितों को पूरे पैसे वापिस नहीं किए। वहीं चर्चा है कि उक्त अधिकारी अभी भी विभाग में अपनी पोस्ट पर ही तैनात है। उस पर कार्रवाई के नाम पर ट्रांसफर की तैयारी है। लेकिन ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई होना जरुरी है, क्योंकि दूसरी जगह जाकर फिर यहीं ठगी का खेल चलाएंगे।

दूसरे को जाल में फंसाते हुए खुद फंसे...चर्चा है कि उक्त स्पेशल-26 की टीम द्वारा बाजवा नगर के ही 9 व्यापारियों को डरा धमकाकर पैसे लेने की योजना बनाई गई थी। जिसमें एक व्यापारी से पहले पैसे ले लिए थे, जबकि दूसरे से 40 लाख रुपए लिए। इस बीच दूसरे व्यापारी के दिल्ली में मौजूद वेंडर ने इसकी जांच की तो खुलासा हुआ। जिसके बाद यह ठग टीम खुद ही फंस गई। पीड़ित द्वारा इन्हें बुलाकर बात की तो पता चला कि लिस्ट में कई और नाम भी थे, मगर उनका बचाव हो गया।

यह है पूरा मामला...बाजवा नगर के एक होजरी व्यापारी का रिश्तेदार उसे मिलने अक्सर फैक्ट्री आता था। इस दौरान उसने व्यापारी के कारोबार में कमियां ढूंढ ली। जिसके बाद अपने केंद्रीय जांच एजेंसी में लगे रिश्तेदार को वे जानकारी भेज दी। उक्त अधिकारी ने कारोबारी को कॉल कर कार्रवाई की बात कहकर डराया। जिसके बाद सेटिंग करके 40 लाख रुपए ले लिए। लेकिन जब व्यापारी के दिल्ली स्थित वेंडर ने जांच करवाई तो खुलासा हुआ। जिसके बाद व्यापारी की पेमेंट भी वापिस हुई। फिर पता चला कि ऐसे एक नहीं कई व्यापारी ठगी का शिकार हुए। धीरे-धीरे सभी सामने आ रहे हैं।

45 साल में पहली बार हुआ ऐसा मामला...बाजवा नगर होजरी एसोसिएशन के प्रेजिडेंट दर्शन डावर ने कहा कि वे पिछले 45 साल से एसोसिएशन के प्रधान है। लेकिन आज तक ऐसा मामला सामने नहीं आया। व्यापारी से ऐसे ठगी होना चिंता का विषय है। जांच एजेंसी को इस मामले को गंभीरता से लेने की जरुरत है। इसका सीधा असर व्यापार पर पड़ रहा है। ठगी मारने वाले लोगों ने तो लिस्ट भी बना रखी थी।

मद्रास हाई कोर्ट के जजों की टिप्पणी: जब न्यायपालिका अपनी ही कमियों को स्वीकार करती है

तमिल फि ल्म 'करुप्पु' पर बैन लगाने की याचिका को खारिज करते हुए मद्रास हाई कोर्ट की हालिया टिप्पणियाँ सिनेमा की दुनिया से कहीं ज्यादा ध्यान देने लायक हैं। एक बेहद बेबाक आदेश में, कोर्ट ने एक ऐसी सच्चाई को स्वीकार किया जिसे नागरिक लंबे समय से जानते थे, लेकिन संस्थाएँ अक्सर मानने से हिचकिचाती थीं: न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार मौजूद है, और जज भी आलोचना से परे नहीं हैं। इस फैसले का महत्व किसी फि ल्म पर चर्चा करने में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक ईमानदारी के बचाव में है। कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि उसे न्यायिक भ्रष्टाचार के मामले देखने को मिले हैं, और यह भी बताया कि मद्रास हाई कोर्ट की पूरी बेंच ने समय-समय पर ऐसे लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया है। यह कोई सनसनीखेज खुलासा नहीं है। यह एक संस्थागत स्वीकारोक्ति है कि कोई भी मानवीय व्यवस्था, चाहे वह कितनी भी सम्मानित क्यों न हो, कदाचार से मुक्त नहीं है।

संदीप शर्मा, सम्पादक

दशकों से, न्यायिक भ्रष्टाचार को लेकर सार्वजनिक चर्चा में एक अजीब विरोधाभास देखने को मिला है। नागरिक भले ही निजी तौर पर इस पर चर्चा कर लें, वकील कोर्ट के गलियारों में दबी जबान में बात कर लें, और रिटायर्ड जज कभी-कभार इसका ज़िक्र कर दें; फिर भी, किसी भी खुली चर्चा को अक्सर न्यायपालिका को कमजोर करने के आरोप झेलने पड़ते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि एक ऐसा माहौल बन जाता है जहाँ समस्या तो मौजूद रहती है, लेकिन उसके बारे में बात नहीं की जा सकती। मद्रास हाई कोर्ट ने इस पाखंड को खत्म कर दिया है।

कोर्ट का यह जोर देकर कहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जजों को आलोचना से परे नहीं माना जाना चाहिए। एक संवैधानिक लोकतंत्र में, हर सार्वजनिक संस्था को जाँच-परख के लिए खुला रहना चाहिए। न्यायपालिका का सम्मान करने का मतलब यह नहीं हो सकता कि उस पर कोई आलोचना ही न हो। असल में, जब संस्थाएँ असहज सच्चाइयों का सामना करने का आत्मविश्वास दिखाती हैं, तो जनता का भरोसा कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत होता है। यह फैसला एक ऐसे सिद्धांत की भी पुष्टि करता है जिस पर आज के भारत में लगातार दबाव बढ़ रहा है: कलात्मक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। फि ल्म 'करुप्पु' में एक भ्रष्ट जज और एक अनैतिक वकील को दिखाया गया है जो न्याय व्यवस्था में हेर-फेर करते हैं। कोर्ट ने बिल्कुल सही कहा कि इस तरह के चित्रण को सिर्फ़ इसलिए सेंसरशिप का आधार नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि इससे न्यायपालिका को असहजता महसूस होती है। सिनेमा, साहित्य, रंगमंच और पत्रकारिता ने लंबे समय से राजनीति, व्यापार, पुलिस और नौकरशाही में मौजूद भ्रष्टाचार को उजागर किया है। ऐसा कोई संवैधानिक कारण नहीं है कि अदालतों को इस तरह की जाँच-परख से छूट मिलनी चाहिए।

बेंच ने समझदारी से यह माना कि कलात्मक कृतियों में अक्सर अतिशयोक्ति और नाटकीयता का इस्तेमाल किया जाता है। असली सवाल यह नहीं है कि हर दृश्य कितना यथार्थवादी है, बल्कि यह है कि क्या वह कृति कानूनी सीमाओं का उल्लंघन करती है। चूँकि सेंसर बोर्ड फि ल्म को पहले ही प्रमाणित कर चुका था और उसे इसमें अदालत की अवमानना का कोई अंश नहीं मिला था, इसलिए इसे दबाने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप करना न केवल अनावश्यक, बल्कि खतरनाक भी होता।

माउंट कार्मल स्कूल की फीस बढ़ोतरी पर कोर्ट की सख्ती, 349 अभिभावकों के पक्ष में फैसला

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। सेक्टर-47 स्थित माउंट कार्मल स्कूल को वर्ष 2017 में की गई फीस बढ़ोतरी के मामले में बड़ा झटका लगा है। जिला अदालत ने स्कूल प्रबंधन द्वारा सत्र 2017-18 में की गई फीस वृद्धि को नियमों के विरुद्ध और अवैध करार देते हुए 349 अभिभावकों को राहत प्रदान की है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि स्कूल निर्धारित सीमा से अधिक फीस नहीं बढ़ा सकता और छात्रों का दाखिला रोकने जैसी कार्रवाई भी नहीं कर सकता। करीब नौ साल पुराने इस मामले में 349 अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन, चंडीगढ़ प्रशासन और सीबीएसई के खिलाफ सिविल वाद दायर किया था। अभिभावकों का आरोप था कि स्कूल ने बिना किसी पूर्व सहमति या चर्चा के ट्यूशन फीस में भारी बढ़ोतरी कर दी थी, जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ गया।

दाखिला रोकने पर भी रोक

अदालत ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित सीमा से अधिक फीस नहीं देने पर किसी छात्र का दाखिला रोका नहीं जा सकता और न ही उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई की जा सकती है। साथ ही स्कूल को अतिरिक्त फीस वसूलने से भी रोका गया है।

स्कूल ने कहा- फीस तय करना हमारा अधिकार

सुनवाई के दौरान स्कूल प्रबंधन ने अदालत में दलील दी कि वह एक गैर-सहायता प्राप्त निजी शिक्षण संस्थान है और फीस निर्धारण उसका अधिकार है। स्कूल का कहना था कि ट्यूशन फीस में केवल 8 से 11 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी, जबकि अन्य शुल्कों में बढ़ोतरी के कारण कुल फीस अधिक दिखाई दी। स्कूल ने बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और आधारभूत ढांचा बनाए रखने के लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता का भी हवाला दिया।

अदालत ने बढ़ोतरी को बताया अवैध

अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फीस वृद्धि को अवैध करार दिया। कोर्ट ने कहा कि संबंधित नियमों और नीतियों के अनुसार स्कूल निर्धारित सीमा से अधिक फीस नहीं बढ़ा सकता। अदालत ने आदेश दिया कि अभिभावक वर्ष 2017-18 और उसके बाद भी केवल निर्धारित सीमा तक बढ़ी हुई फीस ही देने के लिए बाध्य होंगे।

ट्यूशन फीस में 70 से 80 प्रतिशत तक वृद्धि का आरोप

याचिका के अनुसार वर्ष 2017 में स्कूल ने नर्सरी से 12वीं कक्षा तक की मासिक ट्यूशन फीस में 70 से 80 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दी थी। लगभग 2700 रुपये मासिक फीस को बढ़ाकर 4800 से 4975 रुपये तक कर दिया गया था। फीस वृद्धि की जानकारी अभिभावकों को चार फरवरी 2017 को आयोजित पेरेंट्स-टीचर मीटिंग के दौरान नोटिस बोर्ड के माध्यम से मिली थी।

अभिभावकों ने इसका विरोध करते हुए स्कूल प्रबंधन से बातचीत की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद उन्होंने 'माउंट कार्मल पेरेंट्स एसोसिएशन' का गठन किया और प्रशासन व सीबीएसई से शिकायत की। कार्रवाई नहीं होने पर मामला अदालत पहुंचा।

क्या था विवाद का आधार

अभिभावकों ने अदालत को बताया था कि फीस बढ़ोतरी से कुछ समय पहले पंजाब सरकार ने निजी स्कूलों के लिए फीस वृद्धि की अधिकतम सीमा तय की थी। इसी तर्ज पर चंडीगढ़ प्रशासन ने भी फीस नियमन नीति बनाई थी। इसके बावजूद स्कूल ने फीस में भारी वृद्धि कर दी, जिसे अदालत ने नियमों के अनुरूप नहीं माना।

प्रॉपर्टी टैक्स में छूट का आखिरी मौका, 31 मई तक भुगतान पर मिलेगी 20% तक रिबेट

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। चंडीगढ़ नगर निगम ने शहर के सभी आवासीय और व्यावसायिक संपत्ति मालिकों से 31 मई 2026 तक प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने की अपील की है। निगम के अनुसार यह रिबेट (छूट) का लाभ उठाने का अंतिम दिन होगा। इसके बाद टैक्स जमा नहीं करने वाले संपत्ति मालिकों को जुर्माना और ब्याज देना पड़ेगा। नगर निगम द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, 31 मई तक प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने पर आवासीय संपत्तियों के लिए 20 प्रतिशत तथा व्यावसायिक संपत्तियों के लिए 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है।

नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे ऑनलाइन भुगतान सुविधा और संपर्क केंद्रों (सम्पर्क सेंटर्स) का उपयोग कर समय पर अपना टैक्स जमा करें और उपलब्ध छूट का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि समय पर प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने से नागरिकों की बचत तो होती ही है, साथ ही शहर के बुनियादी ढांचे के विकास, रखरखाव और सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने में भी मदद मिलती है।

देरी पर लगेगा 25 प्रतिशत जुर्माना

आयुक्त ने बताया कि रिबेट अवधि समाप्त होने के बाद प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं करने वाले बकायादारों को निर्धारित टैक्स राशि के अतिरिक्त 25 प्रतिशत जुर्माना देना होगा। इसके साथ ही नियमानुसार 12 प्रतिशत ब्याज भी वसूला जाएगा।

नगर निगम ने एक बार फिर सभी संपत्ति मालिकों से अपील की है कि वे 31 मई तक अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर रिबेट का लाभ उठाएं और अतिरिक्त आर्थिक बोझ से बचें।

पेज 06 22वें स्थापना दिवस महोत्सव की ऐतिहासिक सफलता...

पंजाब भाजपा के नवनियुक्त प्रधान केवल ढिल्लों के सामने कई चुनौतियां

चुनौतियों को पार करना आसान नहीं, सफल हुए तो भाजपा को मिलेगी भारी मजबूती

दिनेश मौदगिल

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। पंजाब विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने अपनी तैयारी पूरी तरह से शुरू कर दी है और केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का नया प्रधान नियुक्त कर दिया गया है। नवनियुक्त प्रधान की नियुक्ति से भाजपा कार्यकताओं में पूरी तरह से जोश भर गया है। भाजपा जो प्रधानगी या सीएम चयन में ज्यादातर चौंकाने वाले निर्णय लेती है और इसी तरह से इस बार पंजाब प्रधानगी को लेकर केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का नया प्रधान लगाकर सबको चौंका दिया।

वहीं दूसरी ओर भाजपा हाई कमान पंजाब में अपनी सरकार बनाने लिए भी अपना पूरा दमखम लगाने के मूड़ में दिखाई दे रही है। चचाओं के मुताबिक इस बार पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए गृहमंत्री अमित शाह खुद पंजाब की कमान संभाल रहे हैं। इसी के चलते केवल सिंह ढिल्लों को

पंजाब भाजपा का नया प्रधान बनाया गया है। मगर पंजाब में भाजपा को मजबूत करने के लिए और चुनावों में जीत हासिल करने के लिए नए प्रधान के सामने कई चुनौतियां हैं। हालांकि इन चुनौतियों को पार करना उनके लिए इतना आसान नहीं होगा और अगर ढिल्लों इन चुनौतियों पर सफलता हासिल कर लेते हैं तो पंजाब में भाजपा पूरी मजबूत हो सकती है।

बैठाना होगा नए पुराने नेताओं में तालमेल: पंजाब भाजपा के नए प्रधान केवल सिंह ढिल्लों के सामने सबसे बड़ी चुनौती पंजाब भाजपा के नए और पुराने नेताओं और कार्यकताओं में आपसी तालमेल कायम कर एकजुट करना होगी।

चचाओं के मुताबिक पंजाब भाजपा में इस बात की कमी चलती रही है। हालांकि यहां यह वर्णनीय है कि भाजपा के नए पुराने नेताओं और कार्यकताओं के कारण ही मार्च महीने में गृहमंत्री अमित शाह की मोगा रैली के इक्कठ ने साबित किया था कि पंजाब में भाजपा का काफी आधार बढ़ रहा है और अब भाजपा हाई कमान को इस ओर विशेष ध्यान देना होगा कि नए पुराने कार्यकताओं में तालमेल पूरी तरह रहना चाहिए।

मेहनती और युवा कार्यकताओं को लाना होगा आगे: वहीं प्रदेश प्रधान ढिल्लों को पार्टी के मेहनती और जनता में आधार रखने वाले कार्यकताओं को आगे लेकर आना होगा और जनता में बिना आधार वाले और सिफारशी नेताओं को पीछे कर उनकी जगह मजबूत और जनता में आधार वाले नेताओं को अपनी टीम में शामिल करना होगा। इसके साथ साथ मेहनती युवा चेहरों को आगे लाकर युवा वर्ग को मजबूत करना भी उनके सामने एक बड़ी चुनौती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी बनानी होगी लहर: पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा काफी कमजोर है इस लिए नए पंजाब भाजपा चीफ को ग्रामीण इलाकों में भाजपा को मजबूत बनाना भी एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को पार कर ग्रामीण इलाकों में भी भाजपा की लहर बनानी होगी। ताकि पंजाब विधानसभा चुनाव में बीजेपी अपना परचम लहरा सके।

सिविल हॉस्पिटल में ग्रीन हाइजीन इनिशिएटिव फॉर वूमेन वेल-बीइंग का आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। विश्व मासिक धर्म दिवस के अवसर पर महिलाओं की मासिक स्वच्छता, स्वास्थ्य, साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिविल अस्पताल में वसेर्टाइल एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, प्रोजेक्ट अमोदिनी और फिलैंथ्रॉपी क्लब के सहयोग से ग्रीन हाइजीन इनिशिएटिव फॉर वूमेन वेल-बीइंग एंड इंस्टॉलेशन ऑफ डस्टबिन्स विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता सिविल अस्पताल परिसर में 50 हरे और नीले रंग के डस्टबिन स्थापित करना रही, ताकि कचरे के सही विभाजन, स्वच्छता और टिकाऊ वेस्ट मैनेजमेंट को बढ़ावा दिया जा सके। इसके साथ ही वसेर्टाइल एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सैनिटरी नैपकिन डिस्पोजल इंसीनेरेटर सिस्टम भी स्थापित किया गया, जिससे महिलाओं को सैनिटरी वेस्ट के सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल निपटान की सुविधा मिल सके। संस्था द्वारा अगले 12 महीनों तक मदर एंड चाइल्ड अस्पताल को प्रतिमाह 500 सैनिटरी पैड दान करने की भी घोषणा की गई। इस अवसर पर विम्मी बजाज, अनु गुप्ता, गीतांजलि बख्शी, जैज भोगल और अरविंदर पड्डा सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप जी की 486वीं जयंति पर राज्य स्तरीय समारोह 31 मई को - डिंपल राणा

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व महाराणा प्रताप राजपूत सभा की तरफ से महाराणा प्रताप की 486वीं जयंति पर राज्य स्तरीय समारोह 31 मई रविवार को जालंधर बाईपास मल्होत्रा पैलेस में आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता पंजाब विधानसभा के पूर्व स्पीकर राणा के.पी सिंह, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र सिंह तंवर संयुक्त रुप से करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कुरुक्षेत्र को बाईपास के रूप में जीवन रेखा देने पर बहुत-बहुत आभार : नायब सिंह सैनी

ज्योतिसर से शुरू गांव किरमच, अमीन होकर मथाना तक 27.9 किलोमीटर का निकलेगा बाईपास

परमिंदर सिंह /

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का बहुत बहुत आभार और धन्यवाद है, जिन्होंने कुरुक्षेत्र के नागरिकों को बाईपास देकर एक जीवन रेखा की सौगात देने का काम किया है। कुरुक्षेत्र के लिए यह बाईपास नहीं बल्कि सडक मार्ग पर बहुत बड़ी राहत है, जिसका लंबे समय से कुरुक्षेत्र के नागरिकों को इंतजार था। लंबे समय के इंतजार के बाद बाईपास बनाने की घोषणा से कुरुक्षेत्र के नागरिकों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र को 27.9 किलोमीटर लंबी बाईपास परियोजना की सौगात मिली है। यह बाईपास कुरुक्षेत्र के दक्षिणी भाग से होकर निकाला जाएगा जो कुरुक्षेत्र पिहोवा मार्ग पर ज्योतिसर के पास इंदबरी से शुरू होकर स्टेट

हाईवे नंबर 6, एमडीआर-119, किरमच रोड, अमीन रोड व नेशनल हाईवे -44 को जोड़ता हुआ गांव मथाना (स्टेट हाईवे-6) पर समाप्त होगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस परियोजना से ना केवल पिपली चौक पर ट्रैफिक दबाव कम होगा, बल्कि कुरुक्षेत्र

- कुरुक्षेत्र बाईपास नेशनल हाईवे 44, स्टेट हाईवे 6 और एमडीआर 119 को जोड़ेगा

शहर को जाम से स्थायी राहत मिलेगी। इस परियोजना के पूरा होने पर दिल्ली-यमुनानगर-हरिद्वार समेत पंजाब व कैथल की ओर यातायात और भी आसान व सुरक्षित हो जाएगा। ब्रह्मसरोवर, ज्योतिसर एवं अन्य धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होने से कुरुक्षेत्र में पर्यटन, व्यापार, निवेश व रोजगार को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह बाईपास केवल एक परियोजना नहीं बल्कि हमारी ट्रिपल इंजन वाली सरकार की विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का धन्यवाद किया।

मेहनत को मिला मंच, रालसन हाई फ्लायर्स अवॉर्ड्स में चमके शहर के होनहार

ऐसे अवॉर्ड फंक्शन के जरिए बच्चों को मिलता है बुस्ट - विधायक मदन लाल बग्गा

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। यूटर्न टाइम अखबार और जनहितैषी न्यूज चैनल की और से सैकेंड हाई फ्लायर्स 2026 अवॉर्ड फंक्शन का आयोजन गुरु नानक देव भवन में किया गया। इस दौरान पंजाब बोर्ड, आईसीसी और सीबीएसई बोर्ड में टॉपर स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। फंक्शन में शहर के अलग अलग स्कूलों को इनवाइट किया गया। इस दौरान 37 स्कूलों द्वारा अवॉर्ड फंक्शन में हिस्सा लिया गया। जिनके करीब 275 स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। वहीं इसी के साथ 80 टीचर्स और 6 प्रिंसिपल को सम्मानित किया गया। स्टूडेंट्स के पेरेंट्स भी इस अहम पल का हिस्सा बने। इस दौरान गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल बीआरएस नगर, गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल सराभा नगर, कुंदन विद्या मंदिर सीनियर सैकेंडरी स्कूल सिविल लाइंस, एमजीएम पब्लिक स्कूल, पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल पुलिस लाइंस, आरएस मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, रियान इंटरनेशनल स्कूल जमालपुर और रियान इंटरनेशनल स्कूल दुगरी के बच्चों को सम्मानित किया गया। वहीं शहर के सामाजिक और राजनीतिक आगूओं द्वारा भी समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर हल्का नॉर्थ विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने कहा कि इस अवॉर्ड फंक्शन के जरिए बच्चों का हौंसला बुस्ट करना, बहुत अच्छा प्रयास है। आज के समय में बच्चों को बुस्ट करना बहुत जरुरी है, क्योंकि यहीं बच्चे आगे जाकर हमारी राजनीति और ब्यूरोक्रेसी का अहम हिस्सा होंगे। आस है कि हम सभी ऐसे मिल जुलकर बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहेगें। वहीं फंक्शन में शिरकत करने वालों में प्रमुख रुप से राज्यसभा मेंबर पंजाब सतनाम सिंह संधू, विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा, दलजीत सिंह ग्रेवाल भोला, बीजेपी पंजाब के कैशियर गुरदेव शर्मा देबी, बिक्रम सिंह सिद्धू, पंजाब लोक सेवा आयोग के मेंबर सुनील कपूर समेत अलग अलग पार्टियों के कई सीनियर लीडर शामिल हुए। वहीं इस दौरान रॉल्सन के चेयरमैन संजीव पाहवा, रॉल्सन के वाइस प्रेजिडेंट करणजीत सिंह, सॉलिटियर होम्स के एमडी जश्नप्रीत सिंह, गुरमीत सिंह कुलार, अवतार सिंह भोगल, रिषी पाहवा, राहुल आहुजा, हिमांशु कवात्रा, केके गर्ग, मोंटीवेशनल स्पीकर अंजलि खुराना, अमन भाटिया, नोबल फाउंडेशन के संस्थापक राजिंद्र शर्मा, नवनीत जैरथ, वीके गोयल, बॉम्बे मैटल के सुनील विरमानी और गौरव विरमानी समेत उद्योग जगत के कई प्रमुख व्यक्ति शामिल हुए। इस दौरान रियल एस्टेट कारोबारी हिमांशु खुराना, मोटिवेशनल स्पीकर अमन भाटिया, गीतांजलि खुराना, कारोबारी मदन लाल बग्गी को प्रमुख सख्शियतों ने सम्मानित किया। इस दौरान कारोबारी मदन लाल बस्सी की और से मौके पर ही फैसला लेते हुए नोबल फाउंडेशन के जरुरतमंद बच्चों को अपनी तरफ से सवा लाख रुपए की सहायता राशि दी। इस समारोह का शुभारंभ सांसद सतनाम सिंह संधू द्वारा नोबल फाउंडेशन के जरुरतमंद बच्चों के जरिए कराया, ताकि वे दूसरे बच्चों के लिए प्रेरणा बन सके।

पेज 12 पंजाब सरकार का बड़ा फैसला: ग्रुप-सी और डी...

पाक की आईएसआई और दाऊद इब्राहिम से जुड़े 9 लोग गिरफ्तार, मुंबई और दिल्ली में हमले की योजना बना रहे थे

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी, इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े 9 लोगों को दिल्ली, मुंबई और देश के अन्य हिस्सों में हमले की योजना बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दिल्ली, मुंबई और पंजाब के रहने वाले हैं, और कुछ विदेशी नागरिक भी हैं। उनके पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार भी बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें महत्वपूर्ण ठिकानों और सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने का काम सौंपा गया था। सूत्रों ने बताया कि उनकी सूची में परमाणु संयंत्र, हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन और बिजली संयंत्र शामिल थे।

कई दिनों से थी नजर

अधिकारियों ने बताया कि यह मॉड्यूल कुछ समय से निगरानी में था। अब वे सीमा पार से संभावित संपर्कों, फंडिंग के तरीकों और मॉड्यूल की गतिविधियों को निर्देशित करने में विदेशी हैंडलर्स की भूमिका की जांच कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस दोपहर 3:30 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इस बारे में और जानकारी देगी।

दिल्ली हाई अलर्ट पर

खुफिया इनपुट मिलने के बाद दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा गया है, जिससे संभावित आतंकी खतरे का संकेत मिला है। सुरक्षा एजेंसियों को इस महीने की शुरूआत में खुफिया जानकारी मिली थी कि मध्य दिल्ली में प्रमुख कार्यालयों और भीड़भाड़ वाले इलाकों को निशाना बनाने के लिए आत्मघाती हमलों, वाहनों में लगाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), गोलीबारी और समन्वित हमलों की कोशिशें हो सकती हैं। सभी जिला इकाइयों को सतर्क रहने और खुफिया एजेंसियों तथा केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के साथ निकट समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पिछले साल हुआ था धमाका

पिछले साल, दिल्ली में प्रतिष्ठित लाल किले के पास एक शक्तिशाली वाहन-जनित आईईडी धमाके में 15 लोग मारे गए थे और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए थे। दिल्ली के पास फरीदाबाद में अल-फलाह विश्वविद्यालय में काम करने वाले एक कश्मीरी डॉक्टर, उमर-उन-नबी, उस Hyundai i20 कार को चला रहा था। इस मामले में अन्य मुख्य आरोपियों की पहचान कश्मीर के रहने वाले मुजम्मिल शकील गनई, अदील अहमद राथर और उसके भाई मुज़फ्फर अहमद राथर, मुफ्ती इरफान अहमद वागे और उत्तर प्रदेश के शाहीन सईद के रूप में हुई थी। इनमें से कुछ लोग अल-फलाह विश्वविद्यालय में भी काम करते थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज समाजसेवी एवं चंडीगढ़ तेरापंथ जैन समाज के अध्यक्ष मनोज जैन के नेतृत्व में हरियाणा के मुख्यमंत्री Nayab Singh Saini से शिष्टाचार भेंट की।

मुलाकात के दौरान पंजाब एवं हरियाणा से जुड़े विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने जैन समाज से संबंधित विषयों के साथ-साथ दोनों राज्यों की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों एवं विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी मुख्यमंत्री के साथ विचार-विमर्श किया।

प्रतिनिधिमंडल में पटियाला से आनंद जैन, समाना से डॉ. हेमराज जैन, लुधियाना से मनोज गोलछा तथा मोहाली से मनिंदर जैन भी शामिल थे। सभी सदस्यों ने क्षेत्रीय एवं सामाजिक महत्व के विभिन्न विषय मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए

गए मुद्दों को गंभीरता से सुना तथा समाज के हितों और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री का समय देने एवं समाज की भावनाओं को सुनने के लिए आभार व्यक्त किया। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें समाज और सरकार के बीच बेहतर समन्वय एवं संवाद को और अधिक मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई।

मानवता की अनूठी मिसाल : सनमति विमल जैन स्कूल ने लगायी ठंडे-मीठे जल की छबील

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/30/मई। पंचम पातशाह साहिब श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस (शहीदी दिहाड़े) को समर्पित करते हुए सनमति विमल जैन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, जगरांव द्वारा राहगीरों के लिए ठंडे-मीठे जल का छबील लगाया गया। इस पावन अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों को सेवा, सिमरन और मानवता का सच्चा संदेश दिया गया। भीषण गर्मी के बीच विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने आने-जाने वाले लोगों को पूरी श्रद्धा और आदर भाव के साथ मीठा जल पिलाया।

सेक्टर-26 थाना पुलिस ने आरोपी को 11.56 ग्राम हेरोइन के साथ दबोचा

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चंडीगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना सेक्टर-26 की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 11.56 ग्राम हेरोइन (डायएसिटाइलमॉर्फीन) बरामद की है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एसपी सिटी (वेस्ट) और एसडीपीओ ईस्ट के नेतृत्व में थाना सेक्टर-26 की विशेष टीम गठित की गई थी। 29 मई को एएसआई अजय कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान बापूधाम कॉलोनी, सेक्टर-26 स्थित मकान नंबर 725 के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 11.56 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान वह इस नशीले पदार्थ के संबंध में कोई वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद उसके खिलाफ थाना सेक्टर-26 में एफआईआर नंबर 68, दिनांक 30 मई 2026, धारा 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बापूधाम निवासी गुलशन के रूप में हुई है। जांच के दौरान एएसआई विक्रम कुमार ने आरोपी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल करने का प्रयास करेगी, ताकि बरामद हेरोइन के स्रोत और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गुलशन का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट से संबंधित कई मामले पहले भी दर्ज हो चुके हैं। इनमें वर्ष 2010, 2011, 2012, 2014 और 2021 के मामले शामिल हैं।

22वें स्थापना दिवस महोत्सव की ऐतिहासिक सफलता पर मंदिर कमेटी ने जताया भक्तों व श्री बालाजी महाराज का आभार

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। सिद्ध पीठ महाबली संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर, हैबोवाल कलां, जोशी नगर धाम में आयोजित 22वां वार्षिक स्थापना दिवस समारोह श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। इस भव्य धार्मिक आयोजन में पंजाब सहित दूर-दराज क्षेत्रों से हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्री बालाजी महाराज के दिव्य दरबार में हाजिरी लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। स्थापना दिवस समारोह की सफलता पर मंदिर प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन एवं उपप्रधान अनुज मदान ने संयुक्त रूप से सभी भक्तजनों, सहयोगियों, गणमान्य अतिथियों, समाजसेवियों, धार्मिक संस्थाओं तथा मंदिर सेवकों का तहदिल से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। अमन जैन, ऋषि जैन व अनुज मदान ने श्री बालाजी महाराज के श्री चरणों में विशेष रूप से नतमस्तक होकर इस विशाल आयोजन को सफल बनाने के लिए उनका कोटि-कोटि शुक्राना किया। संयुक्त बयान में उन्होंने कहा कि यह समारोह किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि श्री बालाजी महाराज की असीम कृपा, भक्तों के प्रेम और मंदिर परिवार की एकजुट सेवा भावना का परिणाम है। हजारों श्रद्धालुओं का मंदिर में पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि जोशी नगर धाम में विराजमान श्री बालाजी महाराज के प्रति भक्तों की आस्था दिन-प्रतिदिन और अधिक बढ़ती जा रही है। प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन एवं उपप्रधान अनुज मदान ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह के दौरान सभी भक्तों ने अनुशासन, श्रद्धा और सेवा भाव का अद्भुत परिचय दिया।

केंद्र सरकार ने कपास इंपोर्ट पर कस्टम ड्यूटी की माफ, 30 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगा फैसला

नई दिल्ली/यूटर्न/30 मई। केंद्र सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ फाइनेंस द्वारा भारतीय टेक्सटाइल और परिधान उद्योग को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने कपास के इंपोर्ट पर लगने वाली सभी कस्टम ड्यूटी को अस्थायी रूप से माफ करने का फैसला किया है। यह छूट 1 जून से 30 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगी। सरकार का यह निर्णय घरेलू बाजार में कपास की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। हाल के समय में कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण टेक्सटाइल उद्योग पर लागत का दबाव बढ़ गया था, जिससे उत्पादन और कीमतों पर असर पड़ रहा था। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से कपास की आपूर्ति बेहतर होगी और इनपुट लागत में कमी आएगी। इससे टेक्सटाइल और परिधान सेक्टर के निर्माताओं को राहत मिलेगी, वहीं उपभोक्ताओं को भी कीमतों में संभावित कमी का फायदा मिल सकता है। उद्योग जगत ने सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे समय पर उठाया गया कदम बताया है, जो सेक्टर की वृद्धि में मददगार साबित हो सकता है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

देश की प्रगति में नागरिकों की भूमिका

प्रधानमंत्री जी ने समय-समय पर देशवासियों से पेट्रोल और डीजल की बचत करने की अपील की है। उनका उद्देश्य केवल ईंधन बचाना नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना भी है। फिर भी अनेक लोग अनावश्यक रूप से घूमने-फिरने में ईंधन खर्च करते हैं। जब पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ जाते हैं, तब

वही लोग महंगाई की शिकायत करने लगते हैं और इसके लिए केवल सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं। किसी भी देश की प्रगति केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं होती। देश के नागरिकों का सहयोग भी उतना ही आवश्यक है। यदि लोग अपने शौक और सुविधाओं में थोड़ी कमी करके संसाधनों का सही उपयोग करें, तो देश को आर्थिक रूप से बहुत लाभ हो सकता है। ईंधन की बचत से आयात पर निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी। एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रहित को व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर रखे। यदि नागरिक स्वयं अपने व्यवहार में सुधार नहीं लाते और हर समस्या का समाधान केवल सरकार से चाहते हैं, तो

देश की उन्नति की गति धीमी पड़ सकती है। इसलिए देश की प्रगति के लिए सरकार और नागरिकों दोनों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

क्या Engagement टूटने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है?

सगाई (Engagement) विवाह से पहले का एक सामाजिक और पारिवारिक समझौता माना जाता है, लेकिन कई बार रिश्ता टूटने के बाद कानूनी विवाद भी सामने आ जाते हैं।

सामान्यत: केवल Engagement टूट जाना अपने आप में अपराध नहीं माना जाता। कानून किसी व्यक्ति को जबरदस्ती शादी करने के लिए बाध्य नहीं करता। हालांकि, यदि सगाई के दौरान धोखाधड़ी (fraud), गलत जानकारी छुपाना, आर्थिक शोषण, या expensive gifts और पैसे लेकर जानबूझकर रिश्ता तोड़ने जैसी परिस्थितियां हों, तो कानूनी कार्रवाई संभव हो सकती है। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी ने अपनी वैवाहिक स्थिति, नौकरी, स्वास्थ्य, या अन्य महत्वपूर्ण तथ्य जानबूझकर छुपाए हों, तो दूसरा पक्ष cheating या recovery proceedings शुरू कर सकता है।

इसी प्रकार, ल्लॅगील्ल३ के दौरान दिए गए gifts, jewellery या पैसे को लेकर भी civil disputes उत्पन्न हो सकते हैं।

हालांकि, हर failed engagement अपने आप legal case नहीं बनती। अदालत हर मामले की परिस्थितियों और उपलब्ध evidence के आधार पर निर्णय लेती है। कई लोग भावनात्मक विवाद को सीधे criminal case में बदलने की कोशिश करते हैं, जबकि हर मामला कानून की दृष्टि में अपराध नहीं होता।

निष्कर्ष: सिर्फ engagement टूटना कानूनी अपराध नहीं है, लेकिन यदि उसमें fraud, cheating या आर्थिक शोषण शामिल हो, तो कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। परिस्थितियां और साक्ष्य सबसे महत्वपूर्ण होते हैं।

कृष्ण-सुदामा की मित्रता से मिला प्रेम, समर्पण और संस्कारों का संदेश, श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन

बाली (इंडोनेशिया)/यूटर्न/30 मई। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बाली में श्री भागवत सेवा परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ।

कथा के अंतिम दिन कथा व्यास देवी चित्रलेखा जी ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता का मार्मिक वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को प्रेम, समर्पण, विनम्रता और संस्कारों का संदेश दिया। देवी चित्रलेखा जी ने कहा कि श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता केवल दो मित्रों की कथा नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए आदर्श है।

सुदामा की निर्धनता और श्रीकृष्ण के राजसी वैभव के बीच कभी भी प्रेम की दूरी नहीं आई। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल सखा का जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ स्वागत किया, वह दशार्ता है कि सच्चे रिश्ते धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और भावनाओं से बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में कृष्ण-सुदामा का प्रसंग समाज को निस्वार्थ प्रेम, मानवीय मूल्यों और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

श्री भागवत सेवा परिवार के पदाधिकारियों ने बताया कि विदेशों में श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना है।

आईसीएआई करियर काउंसलिंग समिति द्वारा पैनल में शामिल करियर काउंसलर्स हेतु करियर काउंसलर्स एम्पावरमेंट मीट का सफल आयोजन

एनआईआरसी की लुधियाना शाखा द्वारा मेजबानी

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (ICAI) की करियर काउंसलिंग समिति ने, ICAI की उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद (NIRC) की लुधियाना शाखा के सहयोग से, 30 मई 2026 को होटल रेडिसन ब्लू, फिरोजपुर रोड, लुधियाना में पैनल में शामिल करियर काउंसलर्स के लिए करियर काउंसलर्स एम्पावरमेंट मीट का सफल आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य ICAI की नई शिक्षा एवं प्रशिक्षण योजना के प्रति जागरूकता और समझ को बढ़ाना था, ताकि पैनल में शामिल करियर काउंसलर्स एवं पेशेवरों को भावी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का प्रभावी मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं उत्साहवर्धन करने हेतु आवश्यक ज्ञान एवं साधनों से सुसज्जित किया जा सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ सीए केशव गुप्ता के उद्घाटन वक्तव्य से हुआ, जिसके पश्चात ICAI की एनआईआरसी लुधियाना शाखा के अध्यक्ष सीए विकास गोयल ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए करियर काउंसलर्स को नवीनतम जानकारी एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाने के महत्व पर बल दिया, जिससे वे छात्रों को बेहतर करियर मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।

थाने से 100 मीटर दूर डॉक्टर पर हमला, विरोध में सिविल अस्पताल की ओपीडी बंद

डेराबस्सी/यूटर्न/30 मई। डेराबस्सी थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर सिविल अस्पताल के एनेस्थीसिया विभाग के डॉक्टर डॉ. जोत नूर पर हुए हमले के बाद अस्पताल के डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों में भारी रोष है। घटना के 24 घंटे बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने के विरोध में शुक्रवार को सिविल अस्पताल के समस्त डॉक्टरों और स्टाफ ने ओपीडी सेवाएं बंद कर अस्पताल परिसर में धरना दिया।

जानकारी के अनुसार डॉ. जोत नूर शुक्रवार सुबह अपनी कार जंगलात विभाग कार्यालय के पास पार्क कर अस्पताल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दो अज्ञात व्यक्ति उनके पास पहुंचे और उनका पेशा पूछने लगे। डॉक्टर द्वारा स्वयं को एनेस्थीसिया विशेषज्ञ बताने पर दोनों ने कथित रूप से उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट शुरू कर दी। डॉक्टर किसी तरह अपनी कार में बैठ गए, जिसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों में नाराजगी फैल गई। उनका आरोप है कि पुलिस को शिकायत दिए जाने के बावजूद 24 घंटे बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। डॉक्टरों का कहना है कि यदि ड्यूटी पर जाने वाले डॉक्टर भी सुरक्षित नहीं हैं तो स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका गंभीर असर पड़ सकता है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों पर हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होने से ऐसे लोगों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने मांग की कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और अस्पताल के डॉक्टरों व कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। डॉक्टरों और स्टाफ ने चेतावनी दी कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी।

नगर निगम चुनावों में आप की शानदार जीत, भगवंत मान सरकार की जनहितैषी नीतियों पर जनता के भरोसे का प्रतीकः निधि गुप्ता

लुधियाना,/यूटर्न/30 मई। लुधियाना के वार्ड नंबर 19 से पार्षद और आम आदमी पार्टी की जिला सचिव निधि गुप्ता ने राज्य में हुए नगर निगम चुनावों में पार्टी की शानदार जीत को पंजाब की भगवंत मान सरकार की जनहितैषी नीतियों के प्रति जनता के समर्थन का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को मिली भारी जीत ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों के परिणामों की झलक अभी से दिखा दी है। यहां जारी एक बयान में, निधि गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के प्रति समर्थन जताते हुए, लोगों ने नगर निगम चुनावों में पार्टी उम्मीदवारों का भरपूर समर्थन किया है। इन परिणामों से स्पष्ट है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में पंजाब में एक बार फिर आम आदमी पार्टी की सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि चाहे हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा हो, मोहल्ला क्लीनिक हों, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार हों या फिर महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये सम्मान राशि देने जैसे कदम, राज्य का हर वर्ग भगवंत मान सरकार की नीतियों से संतुष्ट है। निधि गुप्ता ने सरकार के कार्यों पर सवाल उठाने वाले विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े दावे करने वालों की हकीकत चुनाव परिणामों ने सामने ला दी है और यह साबित कर दिया है कि राज्य की जनता अब इनके बहकावे में आने वाली नहीं है। उन्होंने आम आदमी पार्टी को मिली इस शानदार जीत के लिए पार्टी हाईकमान और सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है।

घर से बुजुर्ग दंपति की लाशें बरामद, बदबू आने पर हुआ खुलासा, पुलिस जांच शुरू

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। शिमलापुरी के जनता नगर के एक घर में शनिवार दोपहर पुलिस ने बुजुर्ग दंपति की लाशें बरामद की है।

कुलदीप सिंह पति
हरमीत कौर पत्नी

थाना शिमलापुरी की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों की लाशें कब्जे में ले ली है। मृतकों की पहचान 75 वर्षीय कुलदीप सिंह और उनकी पत्नी हरमीत कौर के नाम से हुई। अभी मौत के कारण का पता नहीं चल सका है।

दरअसल, पिछले दो दिन से दंपति को किसी ने नहीं देखा था। शनिवार को काफी बदबू आने के कारण इलाके के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जब दरवाजा तोड़कर घर में एंट्री की तो लाशें बरामद हुई। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि कुलदीप सिंह और हरमीत कौर को दो दिन पहले तक गली में सामान्य रूप से घूमते-फिरते देखा गया था। उस समय तक सब कुछ बिल्कुल ठीक-ठाक था।

फोन न उठाने पर हुआ खुलासा

मृतकों के रिश्तेदारों ने बताया कि उनके पांच लड़कियां हैं। जिसमें से चार विदेश रहती है, इसमें से एक गाजियाबाद में रहती है। मृतक की बहन ने कहा कि उनके भाई कुलदीप सिंह को बेटियां कॉल कर रही थी, लेकिन वह फोन नहीं उठा रहे थे। जिसके बाद बच्चों ने उन्हें इसकी जानकारी दी। वह मौके पर पहुंचे तो गेट अंदर से बंद था। पुलिस ने गेट तोड़ा तो लाशें बरामद हुई।

लालड़ू में 'आप' का एकछत्र राज, पहली बार चुनाव लड़कर 17 में से 12 सीटों पर कब्जा

लालड़ू/यूटर्न/30 मई। लालड़ू नगर परिषद चुनाव के नतीजों ने क्षेत्र की राजनीति को नई दिशा दे दी है। पहली बार नगर परिषद चुनाव में पूरी ताकत से उतरी आम आदमी पार्टी ने 17 में से 12 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया। इसके साथ ही नगर परिषद की सत्ता पर पहली बार आम आदमी पार्टी का कब्जा हो गया है। कांग्रेस को केवल दो सीटों से संतोष करना पड़ा, जबकि भाजपा, शिरोमणि अकाली दल और एक निर्दलीय उम्मीदवार ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की। चुनाव परिणामों में सबसे बड़ा राजनीतिक उलटफेर वार्ड नंबर-14 में देखने को मिला। यहां सीपीआई(एम) समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार संदीप राणा ने सत्तारूढ़ दल के निवर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष सतीश राणा को पराजित कर सभी को चौंका दिया। यह मुकाबला पूरे चुनाव में चर्चा का केंद्र बना रहा।

वहीं वार्ड नंबर-5 का परिणाम भी कांग्रेस के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मास्टर मोहन सिंह राणा के परिवार से जुड़े राजनीतिक प्रभाव के बावजूद भाजपा उम्मीदवार अमनप्रीत कौर ने जीत दर्ज कर मुकाबले को रोचक बना दिया। राजनीतिक गलियारों में इस नतीजे को कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक में सेंध के रूप में देखा जा रहा है। आम आदमी पार्टी को सबसे बड़ी बढ़त वार्ड स्तर पर मजबूत संगठन और सरकार की योजनाओं के प्रचार का लाभ मिलने से मिली। पार्टी ने वार्ड-1, 2, 3, 4, 6, 8, 9, 11, 13, 15, 16 और 17 में जीत दर्ज कर नगर परिषद में स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया।

लालड़ू नगर परिषद का परिणाम
आम आदमी पार्टी: 12 सीटें
कांग्रेस : 2 सीटें
भाजपा : 1 सीट
शिरोमणि अकाली दल : 1 सीट
निर्दलीय : 1 सीट

TDI पर बड़ा आरोप : मास्टर प्लान रोड की जमीन बेचकर वसूले करोड़ों? कोर्ट में GMADA का दावा

चंडीगढ़/मोहाली/यूटर्न/30 मई। मोहाली के बहुचर्चित TDI मेगा हाउसिंग प्रोजेक्ट की जमीन को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में दायर जवाब ने रियल एस्टेट सेक्टर में हलचल मचा दी है। GMADA ने अदालत में दाखिल हलफनामे में आरोप लगाया है कि TDI इंफ्राटेक लिमिटेड ने मास्टर प्लान रोड के लिए आरक्षित भूमि को अधिग्रहण अधिसूचना जारी होने के बाद निजी व्यक्तियों के नाम रजिस्ट्री करवा दिया, जिससे कंपनी को लगभग 5.18 करोड़ रुपये का अतिरिक्त मुआवजा मिला।

GMADA के अनुसार कुल 351.32 एकड़ परियोजना क्षेत्र में से नीति के तहत 8.783 एकड़ भूमि मुफ्त में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए देनी थी। इसके बावजूद 6.1445 एकड़ भूमि पर लगभग 11.52 करोड़ रुपये का मुआवजा जारी हुआ, जबकि वास्तविक देयता करीब 6.34 करोड़ रुपये बनती थी। अंतर की राशि लगभग 5.18 करोड़ रुपये बताई गई है।

अदालत में दायर जवाब में कहा गया है कि भूमि उपयोग परिवर्तन (CLU) की अनुमति मिलने और मास्टर प्लान रोड चिन्हित होने के बावजूद कंपनी ने बाहर गोगिया और अर्जुन गंगवानी समेत कुछ व्यक्तियों के नाम पर जमीन स्थानांतरित की। GMADA का दावा है कि यह कदम अधिक मुआवजा प्राप्त करने के उद्देश्य से उठाया गया।

अधिसूचना के बाद रजिस्ट्रियां, कानून के उल्लंघन का आरोप

GMADA ने कोर्ट को बताया कि 14 अक्टूबर 2020 को भूमि अधिग्रहण अधिसूचना जारी होने के बाद भी 6.557 एकड़ भूमि की बिक्री की गई। विभाग का कहना है कि भूमि अधिग्रहण कानून के तहत ऐसी बिक्री शून्य मानी जाती है और इससे कोई वैध अधिकार उत्पन्न नहीं होता।

कम स्टांप ड्यूटी का भी मुद्दा

GMADA की जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि कुछ रजिस्ट्रियां कृषि भूमि के रूप में दर्ज कराई गई, जबकि भूमि का उपयोग आवासीय परियोजना से जुड़ा था। इससे स्टांप ड्यूटी और राजस्व को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है।

पुराने विवाद और कानूनी इतिहास भी चर्चा में

TDI समूह पूर्व में भी विभिन्न परियोजनाओं को लेकर खरीदारों, नियामक एजेंसियों और वित्तीय संस्थानों के साथ विवादों में रहा है। मोहाली, सोनीपत, कुंडली और अन्य परियोजनाओं में देरी, कब्जा न मिलने तथा नियामकीय अनुपालन से जुड़े मामलों को लेकर उपभोक्ता मंचों, रेरा और अदालतों में कई मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। हालांकि प्रत्येक मामले के तथ्य अलग-अलग हैं और सभी मामलों में अंतिम न्यायिक निष्कर्ष समान नहीं रहे हैं।

वर्तमान विवाद इसलिए अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसमें सीधे तौर पर सार्वजनिक सड़क, अधिग्रहित भूमि, सरकारी मुआवजा और राजस्व हानि जैसे मुद्दे शामिल हैं।

ईडी जांच से बढ़ी गंभीरता

इसी CLU और भूमि लेनदेन से जुड़े मामलों में हाल ही में GMADA के लाइसेंसिंग विंग के कई अधिकारियों से प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा पूछताछ की जा चुकी है। ऐसे में हाईकोर्ट में दाखिल यह हलफनामा जांच एजेंसियों के लिए भी महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जा रहा है।

GMADA के प्रमुख आरोप

- अधिग्रहण अधिसूचना के बाद भूमि हस्तांतरण।
- सड़क के लिए आरक्षित भूमि पर मुआवजा दावा।
- लगभग 5.18 करोड़ रुपये अतिरिक्त मुआवजा।
- कृषि भूमि दिखाकर कम स्टांप ड्यूटी भुगतान का आरोप।
- उछव शर्तों और मास्टर प्लान प्रावधानों के उल्लंघन का दावा।
- राजस्व और सार्वजनिक हित को नुकसान पहुंचाने की आशंका।

ध्यान दें

यह आरोप GMADA द्वारा हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे और रिकॉर्ड पर आधारित हैं। मामले पर अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा किया जाना बाकी है। TDI का पक्ष और न्यायालय का अंतिम फैसला आना शेष है।

'शक्ति – द बर्निंग साइलेंस' ने टैगोर थिएटर में बांधा समां, दर्शक हुए भावुक

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। टैगोर थिएटर में शनिवार को थिरकन ललित कला केंद्र फाउंडेशन द्वारा आर्टिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से प्रस्तुत भव्य नृत्य-नाट्य कार्यक्रम 'शक्ति झ द बर्निंग साइलेंस' ने दर्शकों को भावुक और मंत्रमुग्ध कर दिया। शास्त्रीय नृत्य, प्रभावशाली अभिनय, संगीत और सामाजिक संदेश से सजी इस प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। इसके बाद भरतनाट्यम, कथक, तराना और मुख्य नृत्य-नाटिका 'शक्ति – द बर्निंग साइलेंस' की प्रस्तुतियां दी गई। कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण अभिव्यक्तियों और उत्कृष्ट नृत्य कौशल से दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय कलाओं की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराया। नृत्य-नाटिका 'शक्ति – द बर्निंग साइलेंस' महिलाओं के मौन संघर्ष, आत्मबल और आंतरिक शक्ति की कहानी पर आधारित थी। प्रस्तुति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, जागरूकता और आत्मविश्वास का संदेश दिया गया।

दशमेश नगर में रिहायशी एरिया के बावजूद सरेआम चल रही दविंद्रा प्लेटिंग वर्क्स फैक्ट्री, लोगों का सांस लेना हुआ मुश्किल

तेजाब के कारण खराब हुई दीवार

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। गिल रोड स्थित दशमेश नगर की गली नंबर 12/7 में रिहायशी एरिया होने के बावजूद वहां सरेआम जिंक प्लेटिंग का कारोबार चलाने के चलते इलाका निवासी बेहद परेशान हो चुके हैं। लोगों का आरोप है कि उन्होंने इस संबंध में सीएम से लेकर लुधियाना प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के चीफ इंजीनियर आरके रत्ता को शिकायतें की। तीन साल से शिकायतें करने के बावजूद आज तक एक्शन नहीं हुआ। अधिकारी आते हैं और फैक्ट्री मालिक से सेटिंग करके बिना कार्रवाई किए चले जाते हैं। इस फैक्ट्री के कारण लोगों के घर खराब हो गए, जबकि सांस लेने तक में मुश्किल आती है। लेकिन फिर भी अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे। दशमेश नगर के अवतार सिंह धंजल ने बताया कि उनकी गली में दविंद्रा प्लेटिंग वर्क्स के नाम से जिंक प्लेटिंग की फैक्ट्री है। जिसमें जमकर तेजाब का इस्तेमाल होता है। फैक्ट्री मालिक यादविंदर सिंह द्वारा पहले 2-3 मशीनें लगाई थी। लेकिन अब 5 से 7 यूनिट बना लिए।

बिना परमिट दौड़ रही बरेली-चंडीगढ़ बस पर पंचकूला ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई, 41 हजार का चालान

पंचकूला/यूटर्न/30 मई। पंचकूला ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए बरेली से मनीमाजरा जा रही एक निजी बस को बिना वैध परमिट के संचालित करते हुए पकड़ा है। पुलिस ने बस का 41 हजार रुपये का चालान कर उसे इंपाउंड कर दिया। जानकारी के अनुसार, सूरजपुर ट्रैफिक थाना प्रभारी अभिषेक को गुप्त सूचना मिली थी कि बरेली (उत्तर प्रदेश) से मनीमाजरा (चंडीगढ़) के लिए वाया पंचकूला एक निजी बस बिना आवश्यक परमिट के यात्रियों को लेकर संचालित की जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बस का पीछा किया और पंचकूला-यमुनानगर हाईवे पर गांव मौली के पास उसे रोक लिया।

जांच के दौरान पुलिस ने बस के दस्तावेजों की गहन पड़ताल की। एसीपी ट्रैफिक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि चालक के पास निर्धारित रूट पर बस संचालन के लिए कोई वैध परमिट नहीं मिला। मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन के चलते बस के खिलाफ 41 हजार रुपये का चालान किया गया और वाहन को इंपाउंड कर लिया गया। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने कहा कि शहर में सुरक्षित और सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वैध परमिट के बसों का संचालन न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यात्रियों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि सड़कों पर सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

स्थायी लोक अदालत में करवाएं जन उपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों का त्वरित एवं सस्ता निपटारा

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/30 मई। जिला स्तर पर जन उपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों के त्वरित, सस्ते एवं प्रभावी समाधान के लिए स्थायी लोक अदालत (जन उपयोगी सेवाएं) का गठन कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22-बी तथा कानूनी सेवा प्राधिकरण (संशोधन) अधिनियम, 2002 के तहत किया गया है। यह जानकारी देते हुए सीजेएम-कम-सचिव जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी नीरज गोयल ने बताया गया कि स्थायी लोक अदालत में एक चेयरमैन एवं दो सदस्य होते हैं, जो न्यायालयों में लंबित न होने वाले प्री-लिटिगेशन मामलों का

निपटारा करते हैं।

स्थायी लोक अदालत में परिवहन, डाक, टेलीग्राफ या टेलीफोन सेवाएं, बिजली, जल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता, अस्पताल एवं डिस्पेंसरी सेवाएं, बीमा, बैंकिंग, आवास, वित्तीय सेवाएं तथा शिक्षा से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाती है। इसके अतिरिक्त एलपीजी गैस कनेक्शन, गैस आपूर्ति एवं रीफिलिंग, आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, बी.एल. कार्ड जारी करने से जुड़े मामले, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, शगुन योजना, बेरोजगारी भत्ता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण संबंधी विवाद भी यहां प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

कैनवस पर बिखरे शब्द: जीएचजी अकादमी में बच्चों ने 'कंक्रीट कविता' से उकेरी कला की नई परिभाषा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/30/मई। शब्द जब आकृतियों का रूप ले लें, तो कविता जीवंत हो उठती है। ऐसा ही कुछ अद्भुत नजारा जी.एच.जी. अकादमी, जगरांव में देखने को मिला, जहाँ कक्षा 6वीं से 8वीं के नन्हे रचनाकारों के लिए एक अनोखी 'कंक्रीट कविता गतिविधि' (Concrete Poetry Activity) का आयोजन किया गया। इस अनूठे प्रयास का मकसद विद्यार्थियों के भीतर छिपे कलात्मक कौशल, भाषा की पकड़ और उनकी असीमित रचनात्मकता को एक नया मंच देना था।

कविता और कला का बेजोड़ संगम:

इस प्रतियोगिता में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। पारंपरिक लेखन से हटकर, विद्यार्थियों ने शब्दों को एक नया आयाम दिया। किसी ने अपनी कविता को 'पेड़' की शक्ल में ढाला, तो किसी ने 'सूरज की किरणों', 'धड़कते हृदय' और 'सागर की लहरों' जैसी खूबसूरत आकृतियों के जरिए अपनी भावनाओं को कागज पर उतारा। शब्दों और कला के इस अनूठे फ्यूजन ने साबित कर दिया कि कविता सिर्फ पढ़ी नहीं, बल्कि देखी भी जा सकती है।

'जब बच्चे शब्दों को आकृतियों में पिरोते हैं, तो उनकी कल्पनाशक्ति को पंख लग जाते हैं। आज की रंग-बिरंगी प्रस्तुतियाँ इस बात का सबूत हैं कि हमारे विद्यार्थियों में साहित्य और कला के प्रति कितना गहरा झुकाव है।'
-अकादमी

आत्मविश्वास को मिली नई उड़ान

विद्यार्थियों की इस अद्भुत प्रस्तुति ने न केवल देखने वालों को मंत्रमुग्ध किया, बल्कि उनके भाषाई कौशल और लेखन क्षमता को भी निखारा। प्राचार्या ने सभी प्रतिभागियों की पीठ थपथपाते हुए उनके सुनहरे भविष्य की कामना की और उन्हें आगे भी ऐसी रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। कुल मिलाकर, यह आयोजन मनोरंजन और शिक्षा का एक ऐसा बेहतरीन जरिया बना, जिसने बच्चों के आत्मविश्वास को एक नई ऊँचाई दी।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की 39वीं पुण्यतिथि पर आर, एल, डी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। राष्ट्रीय लोक दल (RLD) द्वारा आज सेक्टर-29 स्थित पार्टी कार्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की 39वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विद्या शंकर पाठक सहित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने चौधरी साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर

प्रदेश अध्यक्ष विद्या शंकर पाठक, उप प्रधान ललित भाटिया, राम मिलन गौड ऑफिस सेकेट्री राखी मेहरा ओर कई कार्यकताओं ने भाग लिया। अध्यक्ष विद्या शंकर पाठक ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी ने अपना संपूर्ण जीवन किसानों, मजदूरों और गरीब वर्ग के अधिकारों की लड़ाई लड़ने में समर्पित कर दिया। उनके विचार और नीतियां आज भी देश के किसानों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल सदैव चौधरी साहब के सिद्धांतों पर चलकर समाज के हर वर्ग की आवाज बुलंद करता रहेगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने चौधरी चरण सिंह जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया तथा उनके योगदान को याद किया।

पंजाब सरकार ने स्कूल की गर्मी की छुट्टियां की घोषित, 30 जून तक रहेगें बंद

पंजाब/यूटर्न/30 मई। पंजाब सरकार ने शनिवार को स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां घोषित कर दी हैं। छुट्टियां 1 जून से लेकर 30 जून तक होंगी। इस संबंधी आदेश जारी कर दिए गए हैं। तेज गर्मी के कारण चंडीगढ़ में पहले ही स्कूल बंद किए जा चुके हैं। गर्मी के मौसम को देखते हुए पंजाब सरकार ने राज्य के सभी समूह सरकारी, एडेड और निजी स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी हैं। शिक्षा विभाग की सचिव सोनाली गिरी की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। आदेश की प्रतियां संबंधित विभागों और अधिकारियों को भेज दी गई हैं। इससे पहले पंजाब सरकार ने 25 मई को सरकारी दफ्तरों का समय बदल दिया था। राज्य के सारे सरकारी दफ्तरों का समय, सेवा केंद्रों और स्कूलों का वर्तमान समय सुबह साढ़े 7 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के आदेश पर राज्य में गर्मी और हीटवेव को देखते हुए यह फैसला लिया गया था। यह आदेश 25 मई से 15 जुलाई तक लागू किया गया।

स्थानीय दिग्गजों का नहीं चला जादू, वार्ड स्तर पर बदली सत्ता की तस्वीर

जीरकपुर/यूटर्न/30 मई। जीरकपुर नगर परिषद चुनाव के नतीजों ने साबित कर दिया कि इस बार मतदाताओं ने पार्टी के बड़े नामों और राजनीतिक प्रभाव से अधिक उम्मीदवारों की स्थानीय छवि और जमीनी पकड़ को महत्व दिया। कई हाई-प्रोफाइल प्रत्याशियों और राजनीतिक परिवारों को हार का सामना करना पड़ा, जबकि अपेक्षाकृत कम चर्चित उम्मीदवारों ने शानदार जीत दर्ज कर सभी को चौंका दिया। सबसे चर्चित मुकाबला वार्ड-19 में देखने को मिला, जहां पूर्व विधायक एन.के. शर्मा के भाई यादविंदर शर्मा को आम आदमी पार्टी के राजिंदर सिंह ने 23 वोटों से पराजित कर दिया। चुनाव से पहले इस सीट को अकाली दल के मजबूत गढ़ों में गिना जा रहा था, लेकिन मतदाताओं ने अलग फैसला सुनाया। वार्ड-5 और वार्ड-13 में भी राजनीतिक समीकरण उलट गए। भाजपा की चर्चित उम्मीदवार नेहा शर्मा और हरजीत मिंटा को हार का सामना करना पड़ा। दोनों सीटों पर पार्टी ने पूरा जोर लगाया था, लेकिन स्थानीय स्तर पर मतदाताओं का रुझान अपेक्षा के विपरीत रहा। चुनाव का सबसे बड़ा सरप्राइज वार्ड-16 से सामने आया, जहां निर्दलीय उम्मीदवार किरणदीप कौर ढोला ने 429 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। संसाधनों और संगठित चुनावी मशीनरी के बावजूद राजनीतिक दलों के प्रत्याशी उनके सामने टिक नहीं सके। उनकी जीत ने यह साबित किया कि स्थानीय मुद्दों और व्यक्तिगत संपर्क का असर अभी भी चुनावी राजनीति में निर्णायक बना हुआ है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस चुनाव में मतदाताओं ने पार्टी से ज्यादा उम्मीदवार के व्यवहार, उपलब्धता और क्षेत्र में सक्रियता को आधार बनाया।

‘अपनी-अपनी डफली अपना अपना राग’ बजाते दिखे कांग्रेसी

लुधियाना/यूटर्न/30 मई। कांग्रेस पार्टी की हाईकमान द्वारा बेशक पार्टी के हर लीडर और वर्कर को मिलकर रहने का संदेश किया गया है और एकजुट न होने वालों को रिजर्व करने की चेतावनी भी दी गई थी। लेकिन इसका असर लुधियाना में देखने को नहीं मिल रहा। दरअसल, केंद्र की भाजपा सरकार और राज्य सरकार के खिलाफ 26 मई को सांसद राजा वड़िंग ने बैलगाड़ी पर सवारी करके प्रदर्शन किया था। वहीं उसी तर्ज पर शनिवार को जिले में महंगाई के खिलाफ कांग्रेसी लीडरों ने प्रदर्शन तो किए, लेकिन अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों में। हर लीडर अपनी अलग बैलगाड़ी लेकर आया और प्रदर्शन भी अलग ही किए। जिसे देख यह कहावत याद आई कि अपनी-अपनी डफली अपना अपना राग। यानि कि अपनी-अपनी बैलगाड़ी लाओ, अपने स्पोर्टर और वर्कर लाओ और अपना प्रदर्शन करो। जिसे देख लगा कि कांग्रेस में अभी भी आपसी फूट जारी है। जानकारी के अनुसार लुधियाना की सड़कों पर महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ पूर्व विधायक संजय तलवार, कुलदीप सिंह वैद,

हल्का सेंट्रल में प्रदर्शन करते पूर्व विधायक सुरिंदर डावर और पार्षद शाम सुंदर मल्होत्रा

हल्का गिल में प्रदर्शन करते हुए पूर्व विधायक कुलदीप सिंह वैद

हल्का पूर्वी में प्रदर्शन करते हुए पूर्व विधायक संजय तलवार

सुरिंदर डावर, पार्षद शाम सुंदर मल्होत्रा समेत अन्य नेता ने कांग्रेस कार्यकताओं के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में अलग-अलग मोर्चा संभालते नजर आए। विधानसभा चुनाव में झेलना पड़ सकता है नुकसान पार्टी हाईकमान की ओर से एकजुटता का संदेश दिए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर तस्वीर कुछ अलग ही नजर आ रही है। हालांकि हाईकमान का यह संदेश आने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर था, ताकि पार्टी को इसका नुकसान न हो। लेकिन लीडरों की इसी आपसी फूट का नुकसान विधानसभा चुनाव 2027 में हो सकता है। इससे राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि जहां एक तरफ कांग्रेस ह्यएकजुट संघर्षह्न का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी स्तर पर बिखराव की तस्वीर पार्टी की अंदरूनी एकता पर सवाल खड़े कर रही है।

भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से पंजाब राज्य के एस.आई.आर. कार्यक्रम में आंशिक संशोधन - आशिका जैन

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/30 मई। भारतीय चुनाव आयोग की ओर से पंजाब राज्य के लिए वोटर सूचियों की ‘स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन’ (एस.आई.आर.) संबंधी पहले घोषित कार्यक्रम में आंशिक संशोधन करने संबंधी पत्र जारी किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी आशिका जैन ने बताया कि अब जिले में वोटर सूचियों का ड्राफ्ट 3 अगस्त 2026 को प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी तरह वोटर सूचियों संबंधी आपत्तियां और दावे पेश करने का समय 3 अगस्त 2026 से 2 सितंबर 2026 तक कर दिया गया है। नोटिस चरण/आपत्तियों और दावों का निपटारा 3 अगस्त 2026 से 28 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि शेष समय-सारणी 14 मई 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार ही रहेगी।

चंडीगढ़ में मौसम हुआ मेहरबान, लेकिन अगले 24 घंटे सतर्क रहने की जरूरत

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। शनिवार सुबह चंडीगढ़ में काली घटाओं, ठंडी हवाओं और बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और लू का सामना कर रहे लोगों को बारिश के बाद बड़ी राहत मिली है। मौसम सुहावना होने से शहरवासियों ने राहत की सांस ली। बारिश और ठंडी हवाओं के असर से तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार शहर का अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस कम है। शुक्रवार की तुलना में तापमान में 4.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। इससे पहले तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। वहीं न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री सेल्सियस कम रहा। हवा में अधिकतम आर्द्रता 81 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 37 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई।

२4 घंटे के लिए ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए आंधी और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि कुछ स्थानों पर हवा की गति 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही कई क्षेत्रों में गरज-चमक, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

अगले पांच दिन ऐसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 30 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक और हल्की बारिश की संभावना है। 31 मई और 1 जून को भी आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। वहीं 2 और 3 जून को मौसम साफ रहने का अनुमान है। विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में बादल छंटने के साथ तापमान में धीरे-धीरे फिर बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचने तथा मौसम विभाग की सलाह का पालन करने की अपील की है।

अवैध खनन माफियाओं को पकड़ने के लिए पुलिस ने बदला भेष, सादे कपड़ों में रेड कर ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

पंचकूला/यूटर्न/30 मई। पंचकूला पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमरावती क्षेत्र के बुर्जकोटियां के पास नदी में चल रहे अवैध माइनिंग के खेल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने अनोखी रणनीति अपनाते हुए सादे कपड़ों में रेड कर अवैध खनन सामग्री से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके से पकड़ लिया और उसे इंपाउंड कर दिया।

जानकारी के अनुसार 29 मई की शाम अमरावती पुलिस चौकी को गुप्त सूचना मिली थी कि बुर्जकोटियां के निकट नदी क्षेत्र में अवैध खनन किया जा रहा है। आमतौर पर पुलिस की वर्दी और सरकारी वाहनों को देखकर खनन माफिया मौके से फरार हो जाते हैं। इसे देखते हुए चौकी प्रभारी प्रीतम सिंह ने एक अलग रणनीति बनाई। सूत्रों के अनुसार, पुलिस टीम ने अपनी पहचान छिपाने के लिए स्थानीय लोगों से एक सामान्य मोटरसाइकिल ली। इसके बाद चौकी प्रभारी अपने

एक साथी पुलिसकर्मी के साथ सादे कपड़ों में आम नागरिक बनकर मौके पर पहुंचे। बिना किसी आहट के की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने घेराबंदी कर अवैध खनन सामग्री से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रंगे हाथों पकड़ लिया। पकड़े गए वाहन को अमरावती पुलिस चौकी लाया गया, जिसके बाद मामले की सूचना खनन विभाग को दी गई। विभागीय कार्रवाई के तहत ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज कर दिया गया है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सृष्टि गुप्ता ने पुलिस टीम की

सराहना की। उन्होंने कहा कि आजकल अपराधी और खनन माफिया पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अपने मुखबिर तैनात रखते हैं। ऐसे में अपराधियों को रंगे हाथों पकड़ने के लिए पुलिस को कई बार पारंपरिक तरीकों से हटकर रणनीति अपनानी पड़ती है। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि पंचकूला जिले में किसी भी प्रकार का अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी पुलिस और खनन विभाग की ओर से इसी तरह की औचक और गुप्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि अवैध खनन पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। इस कार्रवाई के बाद अवैध खनन में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है, जबकि पुलिस ने साफ संकेत दिया है कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आरटीआई एक्टिविस्ट की एलपीयू के आगे सरेआम गोलियां मारकर हत्या, दहशत में लोग

पंजाब/यूटर्न/30 मई। जालंधर के चर्चित आरटीआई एक्टिविस्ट की सरेआम सड़क पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। फगवाड़ा में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के लॉ गेट के पास शनिवार सुबह करीब 11 बजे हमलावरों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। गोली उनके सिर में लगी, जिससे वह जमीन पर गिर पड़े, इसके बाद फिर नहीं उठे। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान सिमरनजीत सिंह के रुप में हुई है। डीआईजी नवीन सिंगला ने कहा कि हमले की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मौके पर शव के पास से एक पिस्टल, दो मोबाइल पड़े मिले हैं। पुलिस अब हत्या के कारण और हमलावारों का पता लगा रही है।

जानकारी के मुताबिक, जालंधर के आरटीआई कार्यकर्ता सिमरनजीत सिंह किसी काम से फगवाड़ा गए हुए थे। वह एलपीयू के लॉ गेट के पास मौजूद थे। तभी अचानक वहां कुछ अज्ञात युवक पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावर पहले से ही घात लगाकर बैठे हुए थे। उन्होंने सिमरनजीत को देखते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

मौके पर बह गया ज्यादा खून

फायरिंग की घटना से यूनिवर्सिटी गेट के आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। जब तक कोई कुछ समझ पाता या सिमरनजीत को बचाने की कोशिश करता, हमलावर उन्हें लहूलुहान हालत में छोड़कर मौके से रफूचक्कर हो चुके थे। गोली लगने के कारण सिमरनजीत जमीन पर गिर पड़े और अत्यधिक खून बहने की वजह से वहीं अचेत हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत हरकत में आए। सिमरनजीत सिंह को आननफानन एम्बुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। बताया जा रहा है कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

बीएससी नर्सिंग छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाई, कारण अभी स्पष्ट नहीं

पंजाब/यूटर्न/30 मई। फरीदकोट में बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के अधीन हॉस्टल में एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। शनिवार तड़के करीब 2:30 बजे उसने हॉस्टल में फंदा

लगा लिया। जब अन्य छात्राओं और स्टाफ को घटना की जानकारी मिली, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सिटी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। मृतका की पहचान खरड़ के शिवजोत एन्क्लेव निवासी अमनप्रीत कौर (22) पुत्री गुरमुख सिंह के रूप में हुई है। अमनप्रीत कौर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बीएससी नर्सिंग तीसरे सेमेस्टर की छात्रा थी। वह कॉलेज हॉस्टल में रह रही थी। डीएसपी तरलोचन सिंह ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मृतका के परिजनों को सूचना दे दी गई है। उनके फरीदकोट पहुंचने के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पुलिस मामले की बारिकी से जांच कर रही है।

होशियारपुर की बेटियों के लिए स्वास्थ्य विभाग का विशेष उपहार

एचपीवी टीकाकरण अभियान की अवधि में 90 दिनों का विस्तार

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/30 मई। सिविल सर्जन डॉ. मनदीप कमल के नेतृत्व में जिला होशियारपुर में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा इस अभियान की अवधि में 90 दिनों का विस्तार किया गया है। इसका उद्देश्य अभी तक टीकाकरण से वंचित पात्र लड़कियों को अवसर प्रदान करना तथा सर्वाइकल

कैंसर की रोकथाम को और मजबूत बनाना है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सीमा गर्ग ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण अभियान 28 फरवरी 2026 को शुरू किया गया था। इस अभियान के तहत 14 वर्ष की आयु की लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है ताकि उन्हें भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान की जा सके। उन्होंने बताया कि बढ़ाई गई अवधि के दौरान केवल वे लड़कियां टीकाकरण के लिए पात्र होंगी जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन पूरा कर लिया है, लेकिन अभी 15 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है। डॉ. सीमा गर्ग ने बताया कि एस.डी. कॉलेज, होशियारपुर में 2 जून और 4 जून को विशेष एचपीवी टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में पात्र छात्राओं को नि:शुल्क टीकाकरण सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

मृणाल ठाकुर की अदाओं पर फिदा हुए फैंस, तस्वीरें वायरल

मुंबई। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का नया स्टाइलिश लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। खूबसूरत आउटफिट और कॉन्फिडेंट अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है।

तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बौछार देखने को मिल रही है। फैंस उन्हें बॉलीवुड की सबसे एलिगेंट और फैशनेबल अभिनेत्रियों में शुमार कर रहे हैं। आगामी प्रोजेक्ट्स की चचाओं के बीच मृणाल का यह लुक गॉसिप गलियारों में भी सुर्खियां बटोर रहा है।

जीरकपुर ने बदल दिया राजनीतिक गणित, 31 वार्डों के नतीजों में कांग्रेस साफ, आप सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी

जीरकपुर/यूटर्न/30 मई। जीरकपुर नगर परिषद चुनाव 2026 के नतीजों ने शहर की राजनीति का पूरा परिदृश्य बदल दिया है। 31 वार्डों में आए परिणामों ने साफ संकेत दिया है कि मतदाताओं ने परंपरागत राजनीतिक समीकरणों को नकारते हुए नए नेतृत्व और नई राजनीति पर भरोसा जताया है। सबसे बड़ा लाभ आम आदमी पार्टी को मिला, जिसने 16 वार्ड जीतकर नगर परिषद में सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया। वहीं पिछले कार्यकाल में परिषद पर हावी रही कांग्रेस महज 4 सीटों तक सिमट गई। चुनाव परिणामों के अनुसार आम आदमी पार्टी के गुरबीर सिंह संधू (वार्ड-1), कलावती देवी (वार्ड-2), संजीव बंसल (वार्ड-9), गुरदीप सिंह (वार्ड-23),

जसविंदर सिंह (वार्ड-17), परविंदर कौर (वार्ड-24), गुरप्रीत सिंह विर्क (वार्ड-31), गुरप्रीत सिंह (वार्ड-25), सुमन (वार्ड-6), वरिंदर कौर (वार्ड-12), राजेंद्र सिंह (वार्ड-19), सुरेश कुमार सैनी (वार्ड-7), गुरविंदर सिंह (वार्ड-21), जसप्रीत कौर (वार्ड-28), सुनील कुमार (वार्ड-15) सहित कुल 16 उम्मीदवार विजयी रहे।

पंजाब सरकार का बड़ा फैसला: ग्रुप-सी और डी पदों पर खत्म होगी ठेकेदारी व्यवस्था, 65 हजार कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। पंजाब सरकार ने आउटसोर्स और कच्चे कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए समूह-सी और समूह-डी श्रेणी की नौकरियों में ठेकेदारी प्रणाली को समाप्त करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में इस संबंध में अहम प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सरकार अब पंजाब आउटसोर्स पर्सनल विधेयक-2026 लाने जा रही है, जिसके तहत लंबे समय से विभिन्न विभागों में सेवाएं दे रहे आउटसोर्स कर्मचारियों को अधिक सुरक्षा और स्थिरता प्रदान की जाएगी। कैबिनेट ने इस संबंध में अध्यादेश को मंजूरी दे दी है, जिसे राज्यपाल की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। इसके बाद इसे विधानसभा में विधेयक के रूप में पेश किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नए प्रावधानों का लाभ राज्य के 51 विभागों में कार्यरत करीब 65,048 आउटसोर्स कर्मचारियों को मिलेगा। इनमें फायरमैन, लाइनमैन, सीवर कर्मी, शिकायत निवारण कर्मचारी और अन्य जोखिमपूर्ण कार्यों से जुड़े कर्मचारी भी शामिल हैं। सरकार के अनुसार खतरनाक श्रेणी के ऐसे कर्मचारी, जिन्होंने कम से कम तीन वर्ष की सेवा पूरी कर ली है, उन्हें सीधे सरकारी अनुबंध व्यवस्था के तहत शामिल किया जाएगा। वहीं गैर-खतरनाक श्रेणी के कर्मचारियों के लिए पांच वर्ष या उससे अधिक की सेवा अवधि को पात्रता का आधार बनाया गया है। आंकड़ों के मुताबिक गैर-खतरनाक श्रेणी में लगभग 18 हजार कर्मचारी और जोखिमपूर्ण कार्यों से जुड़े करीब 8,400 कर्मचारी पहले चरण में लाभान्वित होंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम से कर्मचारियों को नौकरी में अधिक सुरक्षा मिलेगी और ठेकेदारों पर निर्भरता कम होगी।

राज्य सरकार ने इसे कर्मचारियों के हित में ऐतिहासिक फैसला बताते हुए कहा कि भविष्य में समूह-सी और समूह-डी पदों पर नियमित भर्ती प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे रोजगार व्यवस्था अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बन सकेगी। यह फैसला लंबे समय से नियमितीकरण और रोजगार सुरक्षा की मांग कर रहे हजारों कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

पीपीएस नाभा के मेधावी विद्यार्थियों को राज्यपाल ने किया सम्मानित, स्कूल विकास के लिए 6.10 करोड़ रुपये की सहायता का ऐलान

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शनिवार को पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में आयोजित समारोह में पंजाब पब्लिक स्कूल, नाभा के मेधावी विद्यार्थियों को आईएससी, आईसीएसई और सीएआईई परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर 53 विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को उनके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम बताया। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत विद्यार्थियों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

इस दौरान राज्यपाल ने विद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1 करोड़ रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की।

अभिषेक बनर्जी पर भीड़ का हमला: हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्थर और अंडे फेंके गए

चंडीगढ़/यूटर्न/30 मई। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना ज़िले के सोनारपुर के अपने हाई-प्रोफाइल दौरे के दौरान एक बड़े और उग्र विरोध का सामना करना पड़ा।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्थिति तेजी से हिंसा में बदल गई, जब एक उग्र भीड़ ने बनर्जी पर पत्थर और अंडे फेंके; बनर्जी पश्चिम बंगाल में हालिया

चुनाव बाद की हिंसा से प्रभावित पीड़ितों के परिवारों से मिलने पहुँचे थे। स्थानीय पुलिस बल जनता के अचानक भड़के गुस्से को काबू करने में जूझता रहा, जिससे सुरक्षा बलों और भीड़ के बीच जबरदस्त झड़पें हुईं और सांसद की सुरक्षा टीम को उन्हें चोटों से बचाने के लिए उनके चारों ओर एक सुरक्षा घेरा बनाना पड़ा।

सुनियोजित हमला करार दिया... घटना के तुरंत बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, साफ तौर पर चुनौती भरे अंदाज में अभिषेक बनर्जी ने इस व्यवधान को पूरी तरह से सुनियोजित हमला करार दिया। उन्होंने सीधे तौर पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर इस अशांति को भड़काने का आरोप लगाया और कहा कि यह हमला उनके (भाजपा) के लोकतंत्र के स्वरूप का एक स्पष्ट उदाहरण है। बंगाल में अभी क्या हो रहा है?

डेराबस्सी में आप का परचम, 19 में से 12 वार्ड जीतकर बनाई पहली बार अपनी परिषद

पिछले चुनाव में जमानतें जब्त, इस बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता पर कब्जा

डेराबस्सी/यूटर्न/30 मई। डेराबस्सी नगर परिषद चुनाव के नतीजों ने शहर की राजनीति का पूरा समीकरण बदल दिया है। जिस आम आदमी पार्टी (आप) के पिछले नगर परिषद चुनाव में सभी प्रत्याशियों की जमानतें जब्त हो गई थीं, उसी पार्टी ने इस बार 19 में से 12 वार्ड जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया। पहली बार नगर परिषद में अपने दम पर सत्ता स्थापित करने वाली आप ने यह साबित कर दिया कि विधानसभा चुनावों के बाद स्थानीय स्तर पर भी उसका जनाधार मजबूत हुआ है। चुनाव परिणामों में शिरोमणि अकाली दल को तीन सीटें मिलीं, जबकि भाजपा और कांग्रेस को दो-दो सीटों से संतोष करना पड़ा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा और अकाली दल का अलग-अलग चुनाव लड़ना दोनों दलों के लिए नुकसानदेह साबित हुआ, जिसका सीधा फायदा आम आदमी पार्टी को मिला।

उपनेजा बनाम गांधी परिवार की टक्कर बनी चुनाव का केंद्र

इस चुनाव की सबसे चर्चित लड़ाई वार्ड-14 और वार्ड-15 में देखने को मिली। इन दोनों वार्डों में पहली बार नगर परिषद के इतिहास में दो राजनीतिक परिवार आमने-सामने थे। एक ओर पूर्व नगर परिषद प्रधान मुकेश गांधी और उनकी पत्नी मैदान में थे, जबकि दूसरी ओर पूर्व पार्षद नरेश उपनेजा और पूर्व नगर परिषद प्रधान आशू उपनेजा चुनाव लड़ रहे थे। पूरे चुनाव के दौरान इन दोनों परिवारों के बीच सीधी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा चर्चा का विषय बनी रही। परिणाम घोषित होने पर उपनेजा परिवार ने दोनों सीटों पर जीत दर्ज कर गांधी परिवार को बड़ा झटका दिया।

बड़े और छोटे जीत अंतर भी बने चर्चा का विषय

चुनाव परिणामों में कई रिकॉर्ड जीत और करीबी मुकाबले भी देखने को मिले। वार्ड-7 से आम आदमी पार्टी की बिपनदीप कौर ने कांग्रेस की आशा रानी को 877 वोटों के भारी अंतर से हराकर सबसे बड़ी जीत दर्ज की। वहीं वार्ड-10 में शिरोमणि अकाली दल के भूपिंदर सैनी ने आप प्रत्याशी अजीत बाजवा को 743 वोटों से हराया, जो दूसरा सबसे बड़ा जीत अंतर रहा। इसके अलावा पूर्व नगर परिषद प्रधान एवं भाजपा प्रत्याशी रणजीत रेड्डी ने भी अपने वार्ड में 697 वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल कर मजबूत वापसी दर्ज की। दूसरी ओर सबसे कांटे का मुकाबला वार्ड-12 में देखने को मिला, जहां आम आदमी पार्टी के भूपिंदर शर्मा महज 80 वोटों के अंतर से विजयी रहे।

राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट

नगर परिषद चुनाव परिणामों ने यह संकेत भी दिया है कि डेराबस्सी के मतदाता पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों से आगे बढ़कर नए विकल्पों को मौका देने के मूड में हैं। पांच साल पहले जहां आम आदमी पार्टी स्थानीय निकाय चुनाव में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में भी असफल रही थी, वहीं इस बार पार्टी ने बहुमत हासिल कर नगर परिषद की सत्ता पर कब्जा जमा लिया। परिणामों को 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले क्षेत्र की राजनीति का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार। Contact - +91 9814295372